उड़ान

शिक्षा की

भाग 1

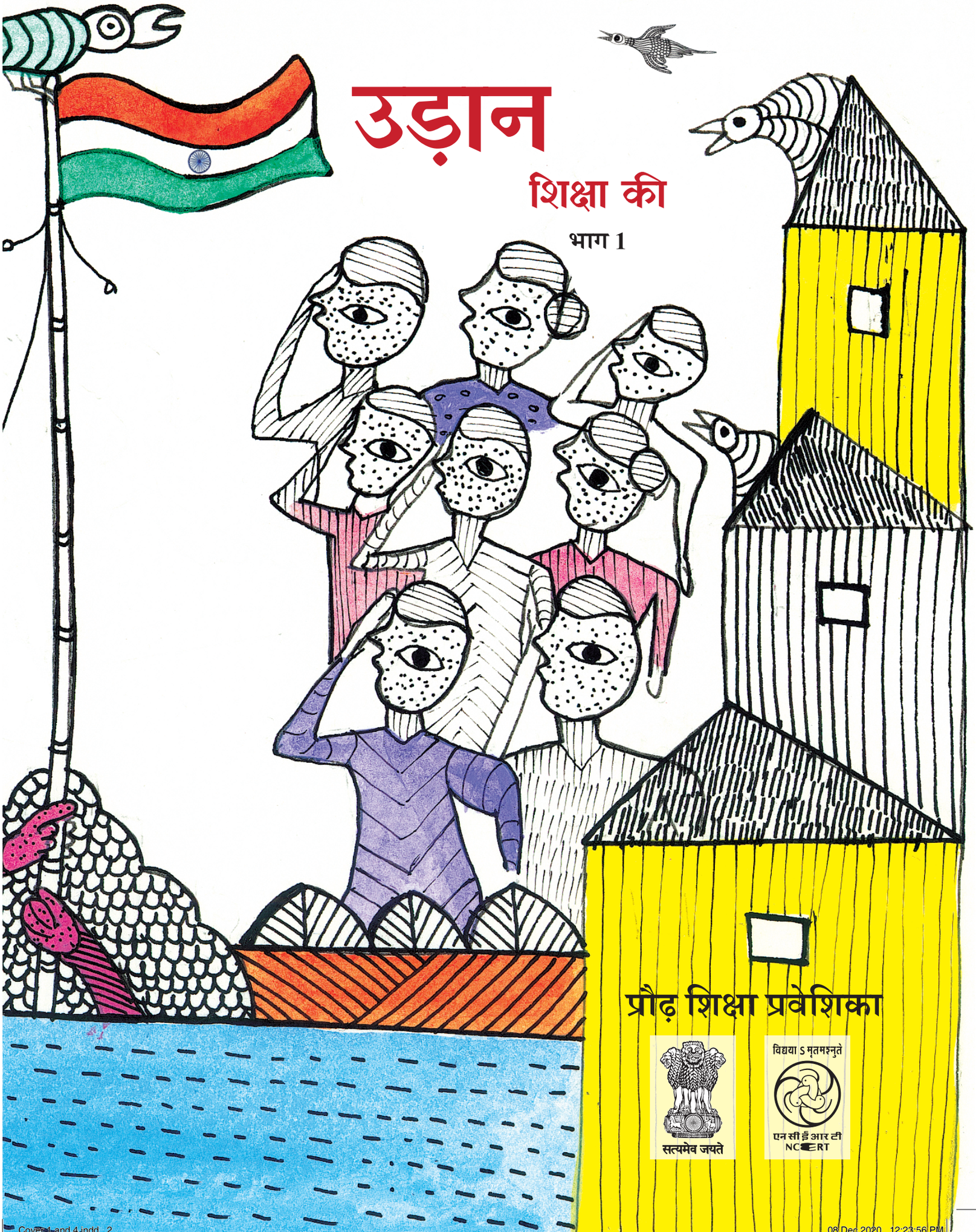

प्रौढ़ शिक्षा प्रवेशिका

सत्यमेव जयते

विद्यया S मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

Cover 1 and 4.indd 2 08 Dec 2020 12:23:56 PM

उड़ान
शिक्षा की

भाग 1

प्रौढ़ शिक्षा प्रवेशिका

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

0_Prelims_Vol_1.indd 1 08 Dec 2020 12:19:33 PM

प्रथम संस्करण

दिसंबर 2020 अग्रहायण 1942

PD

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2020

डिजिटल प्रिंट

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन. सी. ई. आर. टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708

108, 100 फ़ीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पिनहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *अनूप कुमार राजपूत*

मुख्य संपादक : *श्वेता उप्पल*

मुख्य उत्पादन अधिकारी : *अरुण चितकारा*

मुख्य व्यापार प्रबंधक (प्रभारी) : *विपिन दिवान*

ले-आउट एवं डिज़ाइन

श्वेता राव

बैनियन ट्री

आमुख

प्रौढ़ शिक्षा का उद्देश्य उन व्यक्तियों को पढ़ने-लिखने के अवसर उपलब्ध कराना है जिनकी उम्र 15 साल या उससे अधिक है। इस अभियान में वे सभी बच्चे, युवा, वयस्क, प्रौढ़ शामिल हैं जो किन्हीं कारणों से या तो स्कूल नहीं जा सके या फिर किन्हीं कारणों से उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ा। इस आयु-वर्ग के व्यक्ति अपने जीवन के अलग-अलग संदर्भों में अपनी भाषा या भाषाओं का इस्तेमाल भी करते हैं और गणितीय समझ के साथ अपने-अपने कामों में बखूबी लेन-देन भी करते हैं। यह संभव है कि ये सभी अपने-अपने जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में उचित तरीके से व्यवहार और कार्य करते हों, सही तरह से निर्णय लेते हों और समाज में एक उपयोगी सदस्य की भूमिका निभाते हों।

भारतीय राष्ट्रीय साक्षरता अभियान में, 'साक्षरता' को एक व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा गया। जिसमें 'साक्षरता' मात्र अक्षर-ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे 'अर्थ' के साथ जोड़ते हुए इसके आयामों को विस्तार दिया गया है।

'बुनियादी साक्षरता प्राप्त करना, शिक्षा प्राप्त करना और जीविकोपार्जन का अवसर प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। साक्षरता और बुनियादी शिक्षा, किसी के वैयक्तिक, नागरिक, आर्थिक और जीवनपर्यंत शिक्षा के अवसरों की एक नवीन दुनिया खोल देती है। यह नवीन दुनिया व्यक्ति को निजी और व्यावसायिक, दोनों ही स्तरों पर आगे बढ़ाने में मदद करती है।' राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय के पढ़ना-लिखना अभियान के अंतर्गत वयस्क शिक्षार्थियों के लिए चार प्रवेशिकाओं का निर्माण किया गया है। ये प्रवेशिकाएँ समेकित रूप में बनाई गई हैं, जिसमें भाषा और गणित, दोनों शामिल हैं। विषय सामग्री के रूप में 13 विषय (थीम) तय किए गए हैं जो आमतौर पर हमारे आस-पास दिखाई देते हैं। ये विषय हैं— परिवार ओर पड़ोस, बातचीत, पर्यावरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता, कानूनी साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, आपदा प्रबंधन, डिजिटल साक्षरता आदि। भाषा के अंतर्गत इन्हीं विषयों से जुड़ी सार्थक, समग्र और रोचक सामग्री को लेते हुए, हिंदी भाषा और अंकगणित को पढ़ने-लिखने के अवसर जुटाए गए हैं। वयस्क शिक्षार्थियों के पढ़ने-लिखने और अंकगणित सीखने में मदद के लिए एक निर्देशिका का भी निर्माण किया गया है। यह निर्देशिका शिक्षकों/सुगमकर्ताओं द्वारा उपयोग में लाई जाएगी जो शिक्षार्थियों के सीखने में मदद करेगी। इस निर्देशिका में साक्षरता का व्यापक परिप्रेक्ष्य, भाषा व गणित सीखने के उद्देश्य, संप्राप्ति, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया और आकलन पर विस्तृत चर्चा की गई है। प्रवेशिकाओं और निर्देशिका में दिए गए बिंदु सुझाव के तौर पर हैं। शिक्षार्थियों की स्थानीय अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इनमें आवश्यकतानुसार बदलाव किया जा सकता है।

इस साक्षरता में 'आजीवन शिक्षा' का भाव भी कहीं न कहीं समाहित है। अतः इन प्रवेशिकाओं के माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि वयस्क शिक्षार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की दृश्य-श्रव्य सामग्री का निर्माण किया जाए।

परिषद्, प्रवेशिकाओं और निर्देशिका के निर्माण में शामिल सभी विषय-विशेषज्ञों और परिषद् के संकाय सदस्यों, परियोजना-स्टाफ़ के अथक परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। साथ ही उन सभी रचनाकारों, संस्थाओं के प्रति भी कृतज्ञ है जिन्होंने अपनी सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम इन प्रवेशिकाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत हैं।

श्रीधर श्रीवास्तव
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
दिसंबर, 2020

0_Prelims_Vol_1.indd 4 08 Dec 2020 12:19:34 PM

पुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष

श्रीधर श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर* एवं *संयुक्त निदेशक,* एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

परामर्श

अनूप कुमार राजपूत, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
रंजना अरोड़ा, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* अध्यापक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
संध्या सिंह, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

समीक्षा समिति

अंजुम सीबिया, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (अकादमिक), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
अशोक कुमार श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (शोध), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
गौरी श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर,* सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
दिनेश कुमार सिंह, *प्रोफ़ेसर,* विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
श्वेता उप्पल, *मुख्य संपादक,* प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सरोज यादव, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (भूतपूर्व) (अकादमिक), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

हिंदी भाषा

वर्षा सिंघल, *टीचर फ़ैलो,* प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सोनिका कौशिक, *वरिष्ठ परामर्शदाता,* प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

गणित

उज़्मा, *परामर्शदाता,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
गुंजन खुराना, *परामर्शदाता,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
धर्मप्रकाश, *प्रोफ़ेसर* (भूतपूर्व), प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
नम्रता निगम, *जे.पी.एफ़,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
राबिया मलिक, *टीचर फ़ैलो* एवं *परामर्शदाता*, प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

सदस्य समन्वयक

उषा शर्मा, *प्रोफ़ेसर,* प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

0_Prelims_Vol_1.indd 6 08 Dec 2020 12:19:34 PM

आभार

परिषद्, विपिन जैन, *संयुक्त सचिव*, प्रौढ़ शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस सामग्री के विकास में अपना सहयोग प्रदान किया।

परिषद्, उन सभी रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गई हैं। रचनाओं के प्रकाशन के लिए अनुमति देने के लिए *सचिव*, भारत ज्ञान विज्ञान समिति, नयी दिल्ली *(*दानी पेड़, *सौ साल का सिनेमा)*; रमेश थानवी, *अध्यक्ष*, राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति, जयपुर, राजस्थान *(घड़ियों की हड़ताल)*; सुशील शुक्ल, *निदेशक*, एकतारा, भोपाल *(दीवाली के दीये)*, सुभाष व्याम और दुर्गा बाई, *लोक चित्रकार*, भोपाल (ददरिया लोकगीत); केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक और केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, उत्तर प्रदेश *(कैसे आएगी नानी)* का परिषद् आभार व्यक्त करती है।

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए परिषद् मंजुला माथुर, प्रोफ़ेसर, (सेवानिवृत्त) एन.सी.ई.आर.टी., माधवी कुमार, *रीडर* (सेवानिवृत्त) एन.सी.ई.आर.टी.; मालविका राय, *शिक्षाविद्*; शारदा कुमारी, *प्राचार्य*, डाइट, आर.के.पुरम; संजीव कुमार, *पूर्व प्राचार्य*, डाइट, नयी दिल्ली; शहजाद हुसैन, *पूर्व निदेशक*, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली; मोहम्मद अलीम, *लेखक*, नयी दिल्ली; अपर्णा टिक्कू, *प्रोग्राम एसोसिएट*, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली, सही राम, *लेखक*, नयी दिल्ली; रेनु चौहान, (सेवानिवृत्त) *एक्सटेंशन ऑफ़िसर,* नयी दिल्ली; रवीन्द्र पाल, (सेवानिवृत्त) *वरिष्ठ व्याख्याता*, डाइट, नयी दिल्ली; अक्षय कुमार दीक्षित, *शिक्षक*, सर्वोदय विद्यालय, नयी दिल्ली; सत्यवीर सिंह, *प्राचार्य*, एस.एन.आई. कॉलेज, बागपत, उत्तर प्रदेश; अनिल कुमार, *प्राचार्य*, डाइट, दिलशाद गार्डन, दिल्ली; संदीप दिवाकर, *संसाधन व्यक्ति*, अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन; पंकज तिवारी, *शिक्षक*, सरकारी विद्यालय (उर्दू), सियोनी, मध्य प्रदेश के प्रति आभार व्यक्त करती है।

इसके साथ ही पुस्तक में चित्रांकन के लिए परिषद् शशि शेट्ये, नयी दिल्ली; सुनीता, *लोक चित्रकार* (मांडना शैली), सवाईंमाधोपुर, राजस्थान; सुभाष व्याम, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; दुर्गाबाई, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; मानसिंह, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; प्रशांत सोनी, उदयपुर, राजस्थान; सागर अरणकल्ले, नोएडा, उत्तर प्रदेश; शुभम, चंदेरी, मध्य प्रदेश; हबीब अली, ग्वालियर, मध्य प्रदेश; जितेंद्र चौरसिया, देवास मध्य प्रदेश, हरिओम पाटीदार, धार, मध्य प्रदेश, नीलेश गहलोत, धार, मध्य प्रदेश, तपोशी घोषाल, नयी दिल्ली; रुचिन सोनी, नयी दिल्ली का विशेष आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, नसीम अहमद, *मुख्य परामर्शदाता* (भूतपूर्व), राष्ट्रीय साक्षरता अभियान, शिक्षा मंत्रालय और आपगा, रोटरी इंडिया लिटेरसी मिशन, दिल्ली को उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, भारत निर्वाचन आयोग, राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, राज्य संसाधन केंद्र, इंदौर के प्रति भी आभार प्रकट करती है जिनकी वेबसाइट से प्रवेशिका के निर्माण के लिए उपयोगी सामग्री और चित्र प्राप्त हुए।

पुस्तक के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए संजू शर्मा, मोहम्मद आतिर, हरि दर्शन लोधी, अजय कुमार प्रजापति, गंर्धव, गिरीश गोयल, नितिन तंवर और आमिर अली, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा) के आभारी हैं। परिषद्, प्रकाशन प्रभाग के संपादन स्कंध के सदस्यों, मीनाक्षी, *सहायक संपादक* (संविदा); कहकशा, *सहायक संपादक* (संविदा); दिनेश वशिष्ट, *सहायक संपादक* (संविदा); अंजु शर्मा, *संपादकीय सहायक* (संविदा) की आभारी है जिन्होंने प्रवेशिकाओं को अंतिम रूप देने में विशेष योगदान दिया है। परिषद्, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. की सपना, प्रेरणा और पाठ्यचर्या अध्ययन समूह के तेजकिशन और पवन के प्रति आभारी है जिनके सहयोग से इस कार्य को पूरा करने में मदद मिली।

प्रकाशन प्रभाग से मिले पूर्ण सहयोग एवं सुविधाएँ का परिषद् आभार व्यक्त करती है।

0_Prelims_Vol_1.indd 8 08 Dec 2020 12:19:34 PM

विषय-सूची

आमुख *vii*

1. परिवार और पड़ोस 2–17

हिंदी भाषा

- अ, आ, न, प, स, र, व
- अनवरी का परिवार
- कैसे आएगी नानी (कविता)

गणित

- 1 से 9 तक की गिनना व लिखना

2. बातचीत 18–41

हिंदी भाषा

- इ, ई, ब, त, म, ख, ट, च
- स्कूल को चिट्ठी
- अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा (नाटक का अंश)

गणित

- 1 से 20 तक की संख्याएँ पहचानना, पढ़ना और लिखना
- 20 तक की संख्याओं का जोड़ व घटा
- शून्य (0) से परिचय

3. स्थानीय संस्कृति 42–62

हिंदी भाषा

- ओ, औ, झ, द, ल, ग, क, य
- दीवाली के दीये
- ईदगाह (कहानी का अंश)

गणित

- 11 से 50 तक की संख्या पढ़ना और लिखना
- इकाई और दहाई के समूहों में गिनना
- 1 से 50 तक जोड़ व घटा करना।

मेरी किताब

मेरा नाम – _____

मेरा पता – _____

_____

मेरा फ़ोन नंबर – _____

बातचीत के लिए

1. यह कहाँ का चित्र है? 2. आपको कैसे पता चला? 3. कौन क्या-क्या कर रहा है? 4. इस चित्र में ऐसी कौन-कौन सी चीज़ें हैं जो आपको अपने आस-पास नज़र आती हैं? 5. क्या आप राशन खरीदने जाते हैं? 6. आपकी राशन की दुकान पर क्या-क्या मिलता है? 7. तीन लोग कहाँ-कहाँ हैं? 8. चित्र में '2' कहाँ लिखा हुआ है? 9. गोल वस्तुएँ कहाँ दिख रही हैं?

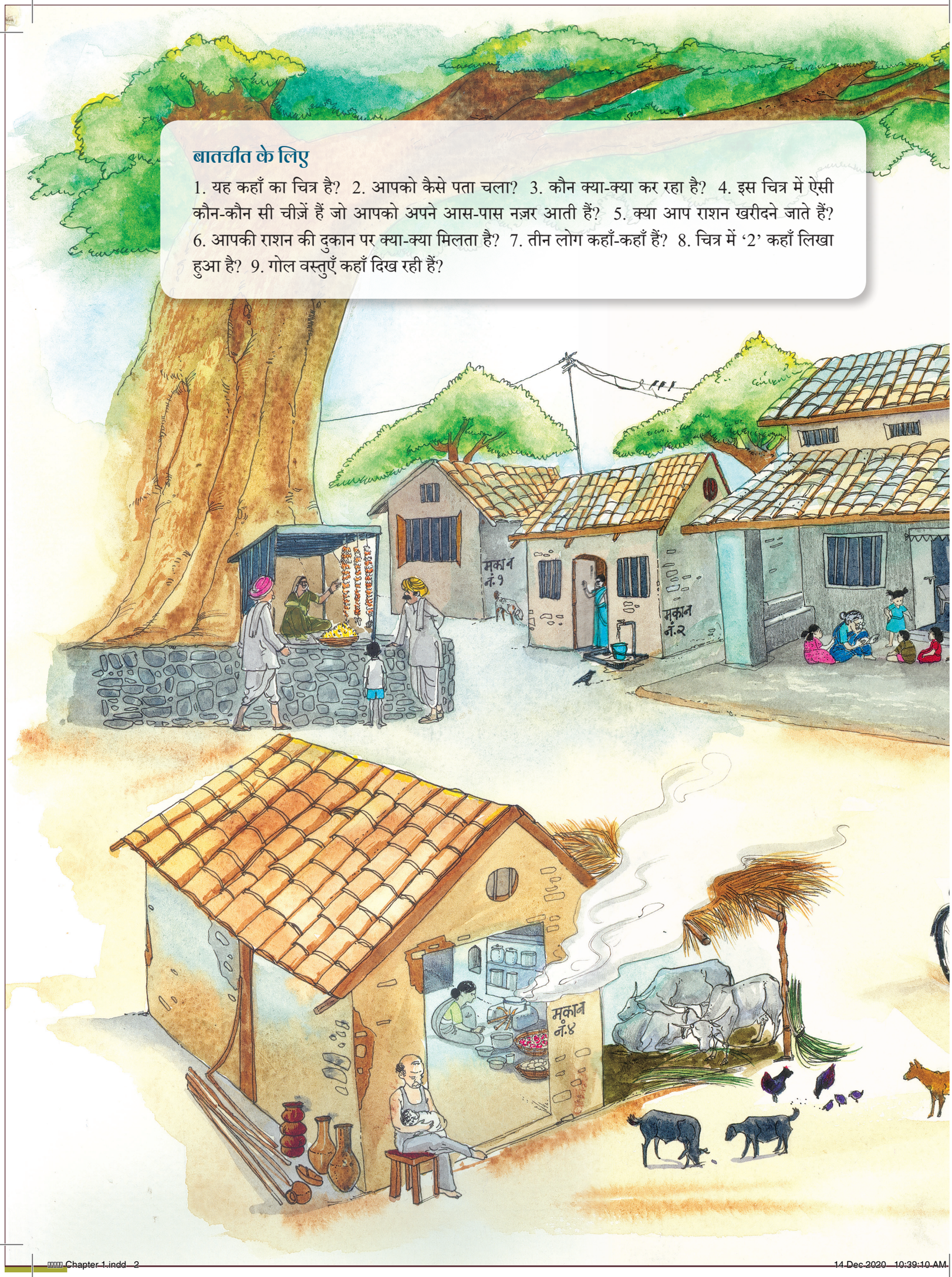

For Conversation

1. What is the place shown in the picture? 2. How can you tell? 3. What are the different activities taking place in the picture? 4. Are there any things in the picture which you also see in your surroundings? What are they? 5. Do you go to the ration shop? 6. What all do you get at your ration shop? 7. Identify where three people are there in a group in this picture. 8. Identify where '2' is written? 9. Where do you see round objects? Identify?

1 परिवार और पड़ोस

आप सीखेंगे

अ आ न प स र व

1 से 9 गिनना व लिखना

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए

दुकान

परिवार

लोग

दरवाज़ा

गली

रसोईघर

घर

पड़ोसी

बच्चे

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से बारी-बारी से सभी चित्रों की पहचान करवाएँ। चित्रों के नीचे उससे संबंधित शब्द दिए गए हैं। चित्र के आधार पर शब्दों को अनुमान लगाकर पढ़वाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें। शिक्षार्थियों से चित्र के नीचे दिए गए शब्द पढ़ने के लिए कहें।

For the Facilitator: Ask the learners to identify the pictures given above and to predict the word based on the given picture. Then, put your finger under each word and bring their attention to the word.

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए

आपके घर में इनमें से क्या-क्या है? सही का निशान (✓) लगाइए

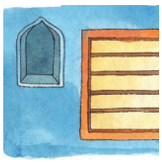

आला अलमारी पलंग कैलेंडर साइकिल सिलेंडर नल

पढ़िए और लिखिए

अ

अलमारी

अनार

अचार

अ अ

आ

आदमी

आम

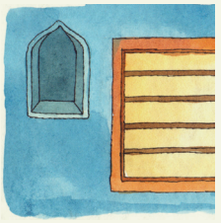
आला

आ आ

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से बारी-बारी चित्र की पहचान करवाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें। शिक्षार्थियों से अक्षर लिखवाएँ।

For the Facilitator: Support the learners in reading the words with the help of pictures. Ask the learners to write the letters. Also, encourage them to label the pictures and write words in the given space.

Chapter 1.indd 5 14 Dec 2020 10:39:17 AM

न

नदी

नल

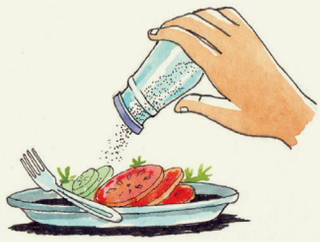

नमक

न न

ना

नारियल

नाखून

नाव

ना ना

प

पपीता

पत्ता

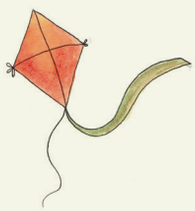

पतंग

प प

Chapter 1.indd 6 14 Dec 2020 10:39:19 AM

पा

पालक

पायल

पालना

पा पा

स

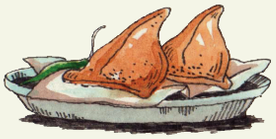

समोसा

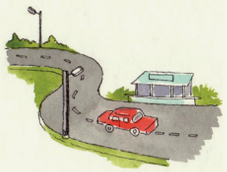

सड़क

सब्ज़ी

स स

सा

सात

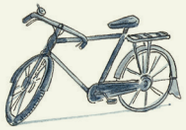

साइकिल

साड़ी

सा सा

Chapter 1.indd 7 14 Dec 2020 10:39:20 AM

र

रस्सी

रसगुल्ला

रसोईघर

र र

रा

राखी

रात

रा रा

व

वर्दी

वकील

व व

Chapter 1.indd 8 14 Dec 2020 10:39:22 AM

वापस

वार

वादा

वानर

वा वा

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश — 'परिवार और पड़ोस' विषय को समेटते हुए बातचीत कीजिए। शिक्षार्थियों से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे– रसोईघर के लिए 'चौका' आदि।

For the Facilitator: Conclude the theme Parivaar aur Pados with a discussion. Write 3–4 words related to this theme by asking the learners. These words can be from their own language also. For example– *Chauka* for *Rasoighar* etc.

Chapter 1.indd 9 14 Dec 2020 10:39:22 AM

अनवरी का परिवार

अनवरी के परिवार के सभी बड़े लोग खेती करते हैं। परिवार के सभी सदस्य अपनी-अपनी तरह से काम में हाथ बँटाते हैं। उनके खतों में इस समय धान की रोपाई चल रही है। जब धान की फ़सल पक जाएगी तो सब मिलकर कटाई के काम में लगेंगे।

चित्र देखिए और बताइए

प्रश्न 1.	क्या इस चित्र में गुड़ाई का काम चल रहा है?	हाँ	नहीं
प्रश्न 2.	क्या आपके इलाके में धान की खेती होती है?	हाँ	नहीं
प्रश्न 3.	क्या आपका परिवार भी मिलकर कोई काम-धंधा करता है?	हाँ	नहीं
प्रश्न 4.	क्या आप उस काम में अपने परिवार की मदद करते हैं?	हाँ	नहीं

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों के साथ चित्र पर बातचीत करें कि कौन क्या-क्या कर रहा है। उनके आस-पास के लोग क्या-क्या काम करते हैं? शिक्षार्थियों के काम-धंधे के बारे में बातचीत करें। सवाल के नीचे अँगुली रखकर पढ़ें और शिक्षार्थियों से हाँ/नहीं पर (✓) निशान लगाने के लिए कहें।

For the Facilitator: Ask the learners to discuss about the different kinds of work done by different people in the picture above. What are the different kinds of work people around them do. Discuss about the learners' own work. Put your finger under each question as you read them aloud. Point out the words हाँ/नहीं (Yes/No) and ask them to tick their answers.

Chapter 1.indd 10 14 Dec 2020 10:39:22 AM

शब्दों को ध्यान से देखिए, पढ़िए और लिखिए

अ से शुरू होने वाला शब्द

अनार रस पास पान

आ से शुरू होने वाला शब्द

पारस आरा नस नर

व से शुरू होने वाला शब्द

पासा सर नाव वर

वा से शुरू होने वाला शब्द

सारा रवाना रवा वापस

न से शुरू होने वाला शब्द

वार नस नारा नापा

ना से शुरू होने वाला शब्द

आना नापना आर-पार नस

र से शुरू होने वाला शब्द

पार पास पान रस

स से शुरू होने वाला शब्द

वानर सावन सपना पावन

सा से शुरू होने वाला शब्द

सर-सर आना सारस पासा

प से शुरू होने वाला शब्द

नाव वर पर पावन

शिक्षक-निर्देश— शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। अलग-अलग आवाज़ों वाले शब्द लिखने के लिए कहें। ये आवाज़ें शब्द के शुरू में, बीच में या अंत में हो सकती हैं।

For the Facilitator: Help the learners read the word ask them to write the words with different sounds. These sounds can occur in the beginning, middle or at the end of the word.

Chapter 1.indd 11 14 Dec 2020 10:39:22 AM

गिनिए और पहचानिए

1

एक किताब

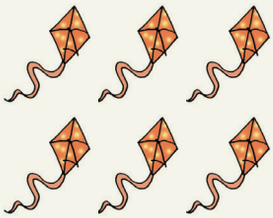

6

छः पतंग

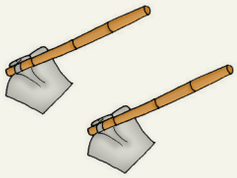

2

दो फावड़े

7

सात मटके

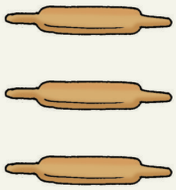

3

तीन बेलन

8

आठ गिलास

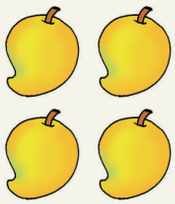

4

चार आम

9

नौ टमाटर

5

पाँच घर

शिक्षक-निर्देश — यह कोशिश करें कि शिक्षार्थी चित्रों में दिखाई गई चीज़ों को गिनें व उसकी दिखाई गई संख्या को पहचानें। शिक्षार्थियों को अपने आस-पास मौजूद चीज़ों को भी गिनने का अवसर दें, जैसे — कमरे में कितनी खिडकियाँ/दरवाज़े हैं?

For the Facilitator: Encourage the learners to count the given objects and identify the number used to denote that group of objects. Also encourage them to count the objects present in their surrounding. For example. How many windows/doors are there in the room.

Chapter 1.indd 12 14 Dec 2020 10:39:24 AM

घेरा बनाकर दी गई संख्या जितना समूह बनाइए

7 **सात** गिलास

9 **नौ** चींटियाँ

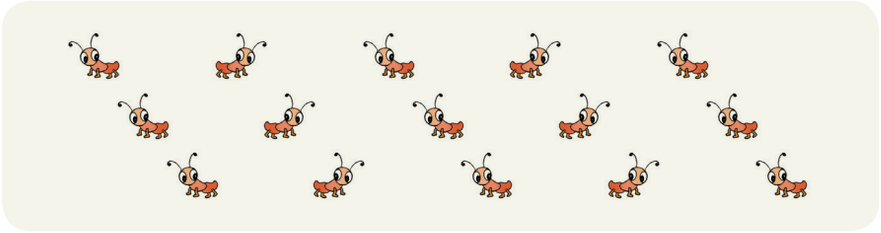

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे संख्या को पहचान कर बोलें और उतनी वस्तुएँ गिनकर उस पर घेरा लगाएँ।

For the Facilitator: Encourage the learners to recognise the written number and speak aloud. Also count objects/pictures as per the given number and encircle the pictures.

वस्तुओं के समूह को संख्या से मिलाइए

1 एक

2 दो

3 तीन

4 चार

5 पाँच

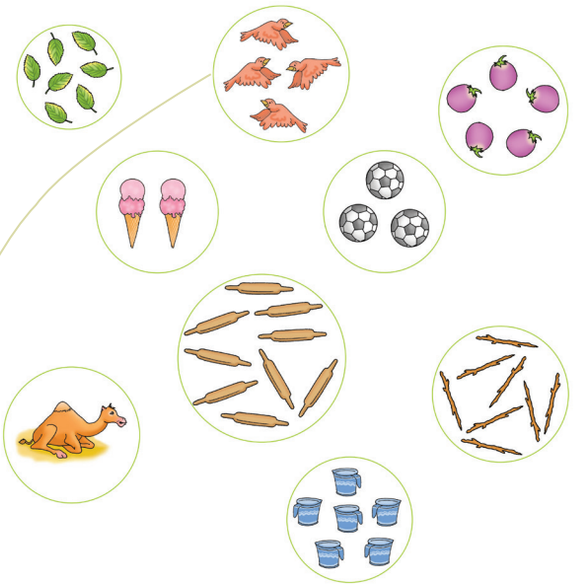

6 छः

7 सात

8 आठ

9 नौ

शिक्षक-निर्देश— यह कोशिश करें कि शिक्षार्थी प्रत्येक समूह में दिखाई गई वस्तुओं को गिनकर लिखी गई संख्या से मिलान करें।

For the Facilitator: Let the learner try to match the pictures in a group with the written number.

Chapter 1.indd 13 14 Dec 2020 10:39:25 AM

कौन-सा अंक कहाँ?

शिक्षक-निर्देश — यह कोशिश करें कि शिक्षार्थी मोबाइल के की-पैड पर लिखी संख्याओं का पैटर्न पहचानें और उसके आधार पर संख्याओं (1 से 9 तक) को लिखें।

For the Facilitator: Encourage learners to identify the pattern of numbers written on a mobile phone keypad. Help them apply this patten to recognise and write/type the numbers.

गिनती बोलिए और लिखिए

1	1		6	6	
2	2		7	7	
3	3		8	8	
4	4		9	9	
5	5		0	0	

शिक्षक-निर्देश — इन अंकों को लिखने का अभ्यास करवाएँ। यह कोशिश करें कि शिक्षार्थी इन अंकों को बोलें और लिखें। पहले बिंदुयुक्त रेखा की मदद से और फिर स्वयं। जिन शिक्षार्थियों को अधिक अभ्यास की ज़रूरत हो, उन्हें अभ्यास का अवसर दें।

For the Facilitator: Help the learners to practise writing of numerals. Encourage the learners to speak aloud and write the numbers first with the help of dotted lines and them without it give extra opportunities to learners who need more practice.

Chapter 1.indd 14 14 Dec 2020 10:39:26 AM

राजा का परिवार बैलगाड़ी से जा रहा है। देखिए, गिनिए और लिखिए।

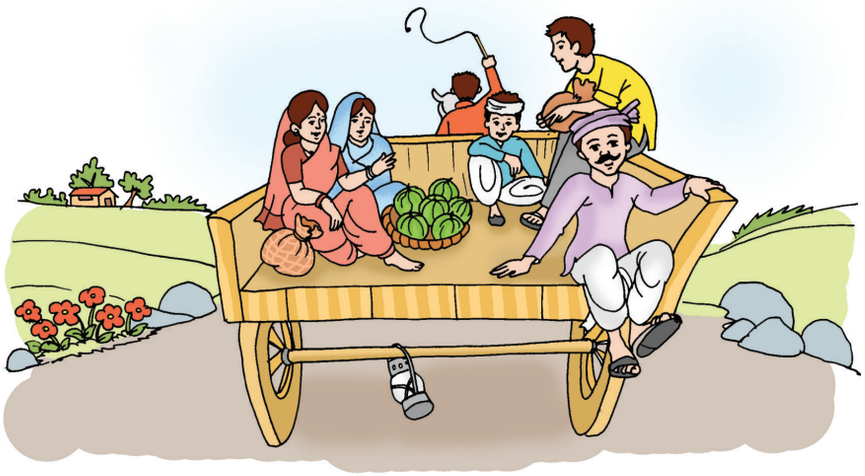

- गाड़ी में कुल कितने व्यक्ति हैं? ☐
- गाड़ी में कितने पुरुष हैं? ☐
- गाड़ी में कितनी महिलाएँ हैं? ☐
- टोकरी में कितने तरबूज़ हैं? ☐
- गाड़ी में कितने पहिये हैं? ☐
- गाड़ी में कितनी लालटेन हैं? ☐

राजू ने खाली बॉक्स में संख्या के लिए संख्यांक लिखे हैं। आप बताइए कि कौन-सा सही है और कौन-सा गलत। खाली बॉक्स में सही संख्यांक लिखिए।

संख्या	राजू ने लिखा	सही या गलत	आप सही लिखिए
पाँच	4		
तीन	3		
छः	5		
सात	٧		
दो	1		
नौ	९		
चार	2		

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से वस्तुओं को गिनकर सही संख्यांक लिखने का अभ्यास करवाएँ।

For the Facilitator: Help the learners to count and write the appropriate numeral in the space provided.

Chapter 1.indd 15 14 Dec 2020 10:39:26 AM

- **इस मोबाइल के कुछ अंक मिट गए हैं। जिससे अनवरी को फोन नंबर मिलाने में दिक्कत आ रही है। मोबाइल के मिटे हुए अंकों को लिखिए।**

- **अपना मोबाइल नंबर लिखिए।**

  _____

- **अगर आपको अपना मोबाइल नंबर मिलाना हो तो कौन-सा अंक 1 से ज़्यादा बार दबाएँगे?** _____

मेरा परिवार

- आपके परिवार में कितने सदस्य हैं? _____
- अपनी उम्र लिखिए। _____
- पिन कोड में कितने अंक होते हैं, गिनकर बताइए और अपना पिन कोड लिखिए। _____
- लिखे गए पिन कोड में कौन-सा अंक कितनी बार आया है? लिखिए।

अंक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
कितनी बार										

Chapter 1.indd 16 14 Dec 2020 10:39:27 AM

■ यह कविता मिलकर पढ़िए

कैसे आएगी नानी?

बादल गरज रहा है गड़गड़
बिजली चमक रही है तड़तड़
झमझम बरस रहा है पानी
अब कैसे आएगी नानी ?

स्रोत — फिरकी बच्चों की (अंक 9), एन.सी.ई.आर.टी.

Chapter 1.indd 17 14 Dec 2020 10:39:34 AM

डाकघर
STD
डाक-पेटी
अखबार

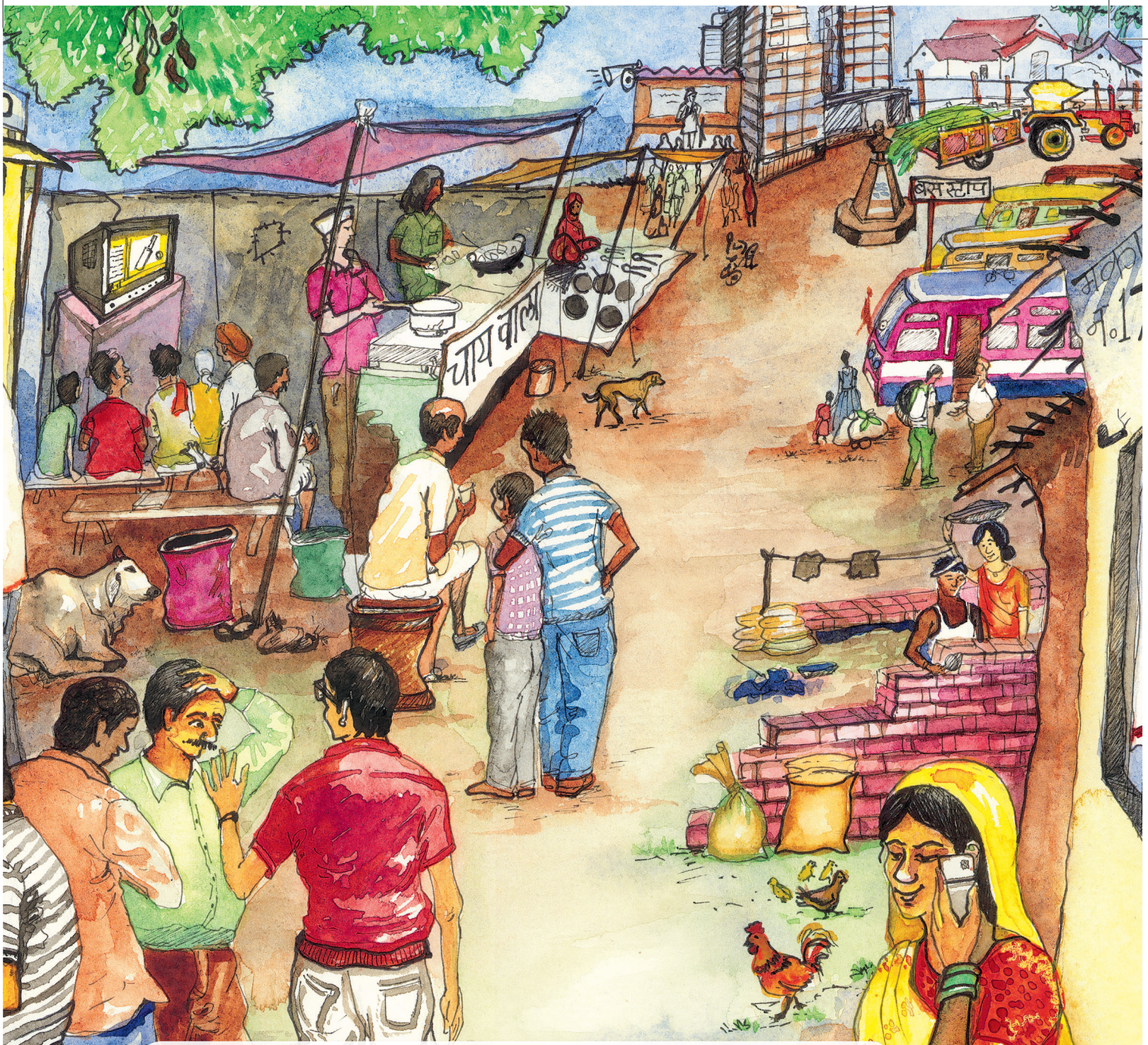

बातचीत के लिए

1. यह कहाँ का चित्र है? 2. यह आपने किस आधार पर कहा? 3. चित्र में कौन क्या-क्या कर रहा है? 4. चित्र में हमारे आस-पास तसवीर से मिलता-जुलता क्या-क्या है? 5. चित्र में कितने जानवर है? 6. कितने लोग टी.वी. देख रहे है। 7. कितने बच्चे किताब पढ़ रहे हैं?

For Conversation

1. What is the place shown in the picture? 2. How can you tell? 3. What are the different activities that different people are doing? 4. Are there any things in the picture which you also see in your surroundings? What are they? 5. Count the number of animals in the picture? 6. How many people are watching T.V.? 7. How many children are reading the books?

2 बातचीत

आप सीखेंगे

इ	ई	ब	त	म	ख	ट	च

- 1 से 20 तक की संख्याएँ पहचानना, पढ़ना और लिखना
- 20 तक की संख्याओं का जोड़ व घटा
- शून्य (0) से परिचय

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए

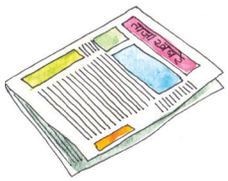

अखबार

माइक

बातचीत

मोबाइल

चिट्ठी

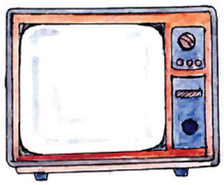

टेलीविज़न

साइबर कैफ़े

टेलीफ़ोन

डाक-पेटी

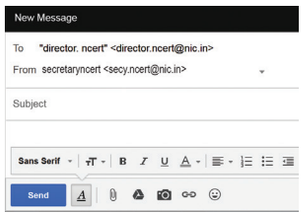

ई-मेल

शिक्षक-निर्देश : शिक्षार्थियों से बारी-बारी से सभी चित्रों की पहचान करवाएँ। चित्रों के नीचे उससे संबंधित शब्द दिए गए है। चित्र के आधार पर शब्दों को अनुमान लगाकर पढ़वाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें। शिक्षार्थियों से चित्र के नीचे दिए गए शब्द पढ़ने के लिए कहें।

For the Facilitator: Ask the learners to identify the pictures given above. Ask the learners to predict the word based on the given picture. Then, put your finger under each word and bring their attention to the word.

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए

आपके घर और आपके आस-पास इनमें से किनका इस्तेमाल होता है? सही का निशान (✓) लगाइए

रेडियो

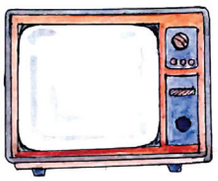

टेलीविज़न

डाक-पेटी

पेन

पढ़िए और लिखिए

इ

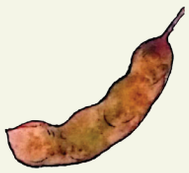

इमली

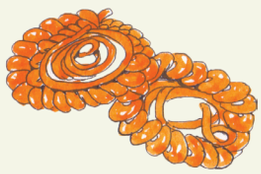

इमरती

इमारत

ई

ईख

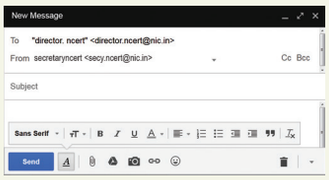

ई-मेल

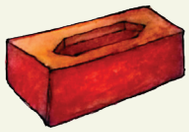

ईंट

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से बारी-बारी से चित्र की पहचान करवाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें। शिक्षार्थियों से अक्षर लिखवाएँ।

For the Facilitator: Ask the learners to identify the pictures. Put your finger under each word and bring their attention to them. Ask the learners to write the letter in the space given.

Chapter 2.indd 21 14 Dec 2020 10:42:22 AM

देखिए, पढ़िए और नाम लिखिए

ब

बर्फ़ी

बच्चे

बिजली

बिल्ली

बीज

बीन

20

शिक्षक-निर्देश— चित्र देखकर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उनसे अक्षर लिखवाएँ। दी गई जगह में चित्र का नाम लिखवाएँ।

For the Facilitator: Support the learners in reading the words with the help of pictures. Ask the learners to write the letters. Also, encourage them to label the pictures and write words in the given space.

Chapter 2.indd 22 14 Dec 2020 10:42:24 AM

त

तबला

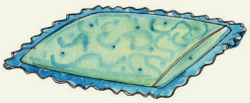

तकिया

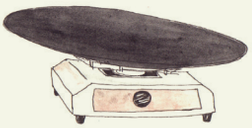

तारा

तालाब

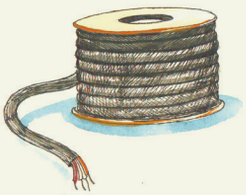

तितली

तिजोरी

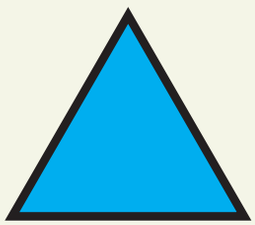

3

तीन

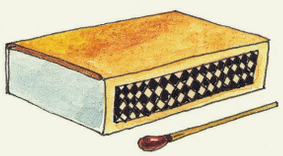

तीली

30

त त

Chapter 2.indd 23 14 Dec 2020 10:42:26 AM

म

मछली

मगरमच्छ

मच्छर

मालिश

मालगाड़ी

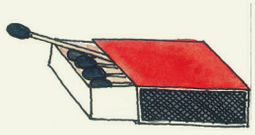

मिर्चा

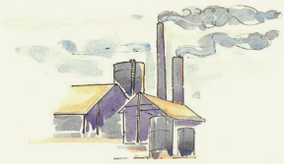

मिल

मिठाई

मील का पत्थर

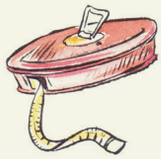

मीटर टेप

Chapter 2.indd 24 14 Dec 2020 10:42:28 AM

ख

खपरैल

खरगोश

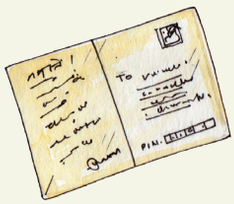

खाना

खाता

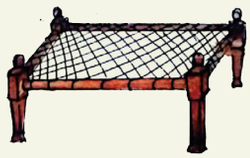

खिलौने

खिलाड़ी

खिटपिट

खीर

खीजना

Chapter 2.indd 25 14 Dec 2020 10:42:30 AM

ट

टमटम

टनटन

टाटा

टायर

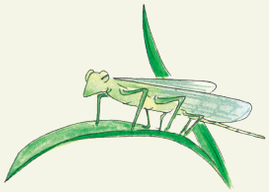

टिड्डा

टिमटिमाना

टीला

टीका

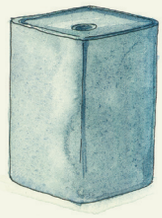

Chapter 2.indd 26 14 Dec 2020 10:42:31 AM

च

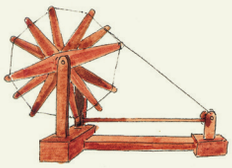

चरखा

चम्मच

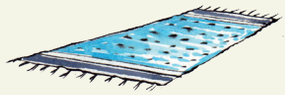

4

चार

चाकू

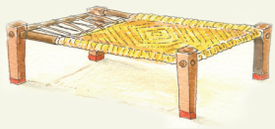

चिड़िया

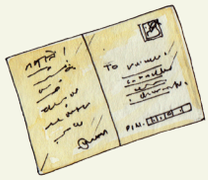

चिट्ठी

चीनी

चील

च च

Chapter 2.indd 27 14 Dec 2020 10:42:33 AM

स्कूल को चिट्ठी

27.08.2019

मैडम जी,

नमस्ते

हमारी लड़की बबली आपके स्कूल में कक्षा नौ में पढ़ती है। हमारे गाँव में गेहूँ की कटाई का काम चल रहा था। हम दो महीने के लिए गाँव चले गए थे, बबली का नाम स्कूल से कट गया है। हम अब गाँव से वापस आ गए हैं। बबली को फिर से स्कूल में दाखिला दे दीजिए।

धन्यवाद

खेमवती

बबली की माँ

पढ़िए और बताइए

प्रश्न 1.	क्या आपको कभी चिट्ठी लिखने की ज़रूरत पड़ी है?	हाँ	नहीं
प्रश्न 2.	क्या आपके घर के आस-पास कोई पेटी या डाकघर है?	हाँ	नहीं
प्रश्न 3.	क्या आप कभी डाकघर गए हैं?	हाँ	नहीं
प्रश्न 4.	क्या आपका डाकघर में बचत खाता है?	हाँ	नहीं

शिक्षक-निर्देश — ऊपर दी गई चिट्ठी शिक्षार्थियों को पढ़कर सुनाएँ। उनसे इस पर बातचीत करें कि कभी उन्हें अर्ज़ी लिखने की ज़रूरत पड़ी है। सवाल के नीचे अँगुली रखकर पढ़ें और शिक्षार्थियों से हाँ/नहीं पर (ü) निशान लगाने को कहें।

For the Facilitator: Read allowed the text to your learners. Discuss if they have ever had to write an application. Put your finger under each question as you read them aloud. Point out the words हाँ/नहीं and ask them to tick their answers.

Chapter 2.indd 28 14 Dec 2020 10:42:34 AM

बूझने का खेल

1.

चाट, पकौड़े और समोसे के साथ खाई जाती है। पीसकर बनाई जाती हैं।

2.

गेहूँ को पीसकर बनता है। इससे रोटी बनती है।

3.

सड़क पर अकसर ठसाठस भरी रहती है। हिचकोले खाते चलती है। हमें दूर-दराज़ और पास की जगहों पर भी ले जाती है।

4.

रुपया-रुपया बचाकर रखते हैं ताकि आने वाले समय में काम आते हैं। बैंक में खाता खोलकर इन पैसों को जमा करते हैं।

उत्तर : 1. चटनी 2. आटा 3. बस 4. बचत

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को एक-एक पहेली पढ़कर सुनाएँ और बूझने के लिए कहें। उत्तर दिए गए हैं।

For the Facilitator: Read the riddles to the learners and encourage them to solve the riddles. Answers are given.

Chapter 2.indd 29 14 Dec 2020 10:42:35 AM

शब्दों को ध्यान से देखिए, पढ़िए और लिखिए

इ से शुरू होने वाला शब्द

चटनी	इमरती	चटख	तीस

ई से शुरू होने वाला शब्द

बाट	टीन	ईख	नई

खा से शुरू होने वाला शब्द

खटाई	खपत	खातिर	पाचन

टा से शुरू होने वाला शब्द

चिमटा	नटखट	आटा	टालना

मी से शुरू होने वाला शब्द

मामी	तीखा	मीता	तीत

बि से शुरू होने वाला शब्द

बचत	बिखरना	बीच	चटखनी

खि से शुरू होने वाला शब्द

खीर	सरपट	खिटपिट	खतरा

ची से शुरू होने वाला शब्द

चीखना	चाची	नीच	बरनी

मा से शुरू होने वाला शब्द

चमक	माता	बीमा	चीमनी

पी से शुरू होने वाला शब्द

पीपनी	पपीता	पिता	पाइप

शिक्षक-निर्देश— शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। अलग-अलग आवाज़ों वाले शब्द लिखने के लिए कहें। ये आवाज़ें शब्द के शुरू में, बीच में या अंत में हो सकती हैं।

For the Facilitator: Help the learners read the word ask them to write the words with different sounds. These sounds can occur in the beginning, middle or at the end of the word.

Chapter 2.indd 30 14 Dec 2020 10:42:35 AM

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश— 'बातचीत' विषय को समेटते हुए शिक्षार्थियों से बातचीत कीजिए। शिक्षार्थी से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे— 'लाउडस्पीकर' के लिए 'चुंगा' आदि।

For the Facilitator: Conclude the theme *Baatcheet* through discussion. Write 3–4 words related to this theme by asking the learner. These words can be from their own language also. For example— *Chunga* for *Loudspeaker* etc.

Chapter 2.indd 31 14 Dec 2020 10:42:35 AM

आइए, गिनती पहचानें

पाँच के नोट में 5 कितनी बार छपा है पहचानिए और गिनकर बताइए

चित्र में 5 के अंक पर निशान लगाइए।

दस के नोट में 10 कितनी बार छपा है पहचानिए तथा गिनकर बताइए

चित्र में 10 पर निशान लगाओ।

आइए, मिलकर गिनें

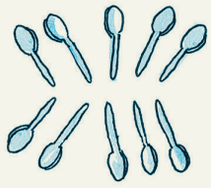

दस चम्मच 10

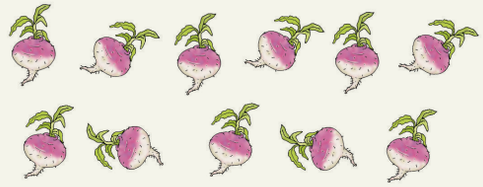

ग्यारह शलजम 11

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित कीजिए कि वे नोटों पर लिखे अंकों को पहचानें।

For the Facilitator: Encourage the learners to identify the numbers printed on the currency notes.

Chapter 2.indd 32 14 Dec 2020 10:42:36 AM

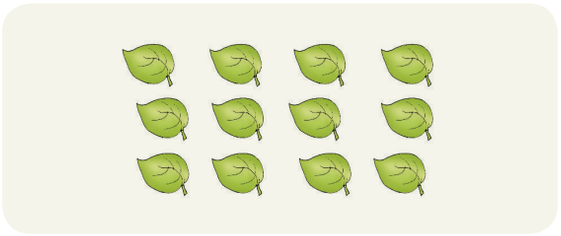

बारह पत्ते 12

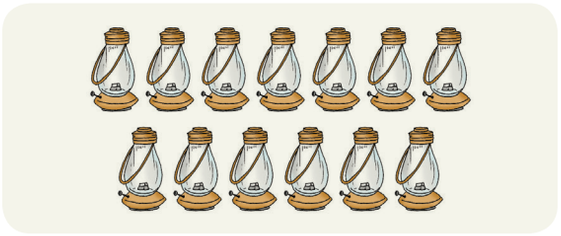

तेरह लालटेन 13

चौदह प्याज़ 14

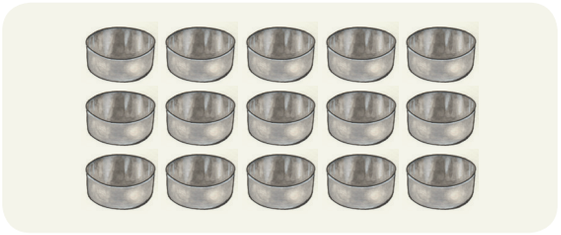

पंद्रह कटोरियाँ 15

सोलह मर्तबान 16

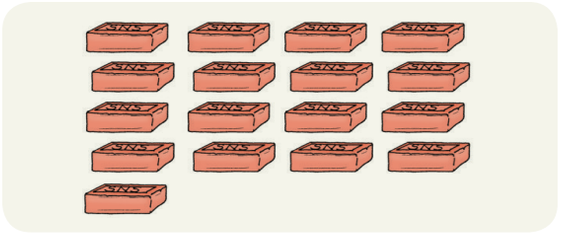

सत्रह ईंटें 17

Chapter 2.indd 33 14 Dec 2020 10:42:38 AM

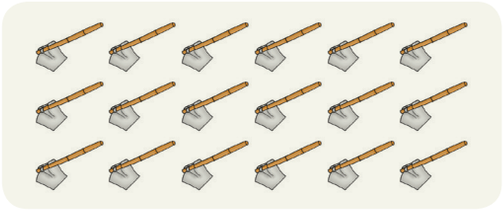

अठारह फावड़े 18

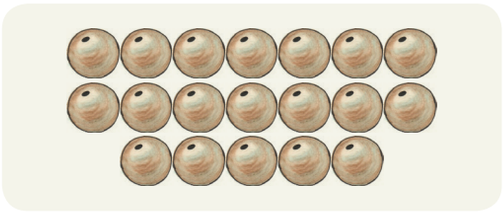

उन्नीस मोती 19

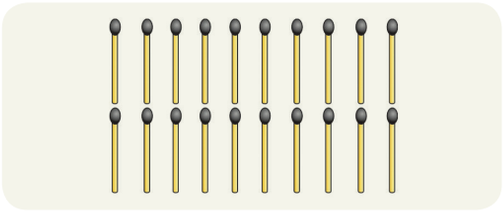

बीस तीलियाँ 20

- **महिमा के परिवार में पाँच सदस्य हैं और उसकी बुआ का परिवार उसके घर आया है जिसमें चार सदस्य हैं। बताइए, महिमा के घर में कुल कितने सदस्य हैं?**

और मिलाकर हुए

5 सदस्य और 4 सदस्य मिलाकर हुए 9 सदस्य

5 + 4 मिलाकर हुए 9

5 + 4 = 9

5 + 4 = 9

शिक्षक-निर्देश — शिक्षार्थियों को चित्रों की मदद से गिनने का अवसर दें। ताकि वे 10 से 20 तक के अंकों को पहचानना सीखे।

For the Facilitator: Provide opportunities to learners to count objects (10-20) using pictures and associate them with its manual.

Chapter 2.indd 34 14 Dec 2020 10:42:39 AM

- **नौ कंप्यूटर में से दो कंप्यूटर खराब हो गए तो बताइए कितने कंप्यूटर चालू हालत में हैं?**

कंप्यूटर में से

कंप्यूटर खराब हुए तो चालू अवस्था में बचे

9 कंप्यूटर में से – 2 कंप्यूटर खराब हुए तो चालू हालत में बचे = 7 कंप्यूटर

9 – 2 बचे = 7

9 – 2 = 7

ध्यान दें–

'+' यह जमा का निशान है, '–' यह घटा का निशान है, '=' यह बराबर का निशान है।

- **डाकिए ने रेशमबाग मोहल्ले में पहले दिन 8 चिट्ठियाँ बाँटीं। दूसरे दिन उसने 3 चिट्ठियाँ बाँटीं। डाकिए ने कुल कितनी चिट्ठियाँ बाँटीं?**

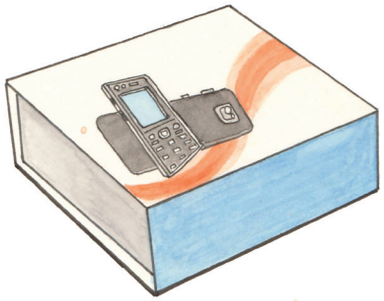

- **एक दुकानदार के पास एक कंपनी ने मोबाइल के 18 डिब्बे भेजे। गिनती में पता चला कि 18 में से 6 डिब्बे कम हैं। दुकानदार को कितने डिब्बे मिले?**

Chapter 2.indd 35 14 Dec 2020 10:42:42 AM

- **राजू और मुनिया दीदी पास की एक दुकान से अखबार खरीदने गए। राजू के अखबार में 5 पेज थे जबकि मुनिया दीदी के अखबार में 8 पेज थे। राजू के अखबार में मुनिया दीदी के अखबार से कितने पेज कम थे?**

- **कैलकुलेटर पर लिखे अंकों को पहचानिए। ऐसी दो संख्याओं को लिखिए जिनका जोड़ 10 आएगा। इसका सत्यापन कैलकुलेटर द्वारा कीजिए।**

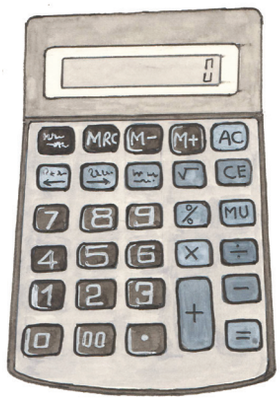

							संख्या	
पहले	1	बटन	+	फिर	9	बटन	=	10
पहले		बटन	+	फिर		बटन	=	10
पहले		बटन	+	फिर		बटन	=	10
पहले		बटन	+	फिर		बटन	=	10

शिक्षक-निर्देश — दैनिक जीवन में ऐसे अवसर आते हैं जहाँ दो संख्याओं का जोड़ करना होता हैं। शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे अलग-अलग सख्याओं को जोड़कर ऐसा कर पाएँ। छोटी (9 तक की) संख्याओं का प्रयोग कर घटा भी कर पाए।

For the Facilitator: In daily life we encounter such situations where we have to add two numbers. Encourage the learners to add and subtract different one digit numbers.

Chapter 2.indd 36 14 Dec 2020 10:42:43 AM

दुकानदार के पास 10 मोबाइल फ़ोन थे। उसने पहले दिन 3 मोबाइल बेच दिए। अब उसके पास कितने मोबाइल हैं?

दूसरे दिन उसने 4 मोबाइल और बेचे। अब उसके पास कितने मोबाइल बचे?

उससे अगले दिन उसने 3 मोबाइल और बेचे। अब दुकान में कितने मोबाइल रखे हैं?

किसी भी वस्तु के ना होने को '0' से दर्शाते हैं। 'एक भी मोबाइल नहीं' शून्य मोबाइल, ज़ीरो मोबाइल आदि को दर्शाने के लिए '0' के उपयोग के बारे में चर्चा करें। यदि शिक्षार्थी 'कुछ भी नहीं' उत्तर दें तो ऐसी स्थिति पर भी चर्चा करें। इसे समझाने के लिए कंकड, बीज, मोती इत्यादि का उपयोग करें और चर्चा करें कि शून्य, ज़ीरो का उपयोग कब किया जा सकता है।

बिमला के पास चावल की 9 बोरियाँ हैं। उसने 7 बोरियाँ बेचने की सोची। उसने 4 बोरी मंडी में बेच दी। बिमला को अब कितनी बोरियाँ और बेचनी हैं?

उसने कल 2 बोरियाँ अपने दोस्त को बेच दीं अब उसके पास बेचने के लिए कितनी बोरियाँ बची हुई हैं?

आज उसने 1 बोरी चावल मुरमुरे बनाने वाले को बेच दी अब उसके पास बेचने के लिए कितनी बोरियाँ रखी हैं?

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को ऐसे कथन या कहानियाँ बनाने तथा सुनाने के लिए प्रेरित करें जिनमें 'शून्य' का उपयोग हो। उस कहानी से संबंधित गणितीय तथ्य लिखवाएँ।

For the Facilitator: Encourage the learners to create and till short stories where the concept of 'zero' is used. Ask them to write mathematics facts related to that story.

Chapter 2.indd 37 14 Dec 2020 10:42:43 AM

- डाकिए के पास कुल 15 चिट्ठियाँ हैं। शाम तक उसने सभी चिट्ठियाँ बाँट दीं। अब डाकिए के पास कितनी चिट्ठियाँ बची हैं?

- जावेद के पास 100 रुपए हैं। उसने 40 रुपए के फल खरीदे। अब वह कितने रुपए और खर्च करे कि उसके पास एक भी रुपया शेष ना बचे?

खाली स्थान भरिए

10	–	0	=	
10	–	1	=	
10	–	2	=	
10	–	3	=	
10	–	4	=	
10	–	5	=	
10	–	6	=	
10	–	7	=	
10	–	8	=	
10	–	9	=	
10	–	10	=	

स्वयं के घटाव तथ्य बनाइए

	–		=	
	–		=	
	–		=	
	–		=	
	–		=	
	–		=	
	–		=	
	–		=	
	–		=	
	–		=	
	–		=	

शिक्षक-निर्देश — शिक्षार्थियों को अलग-अलग संख्याओं के घटाव तथ्य लिखने के लिए प्रेरित करें।

For the Facilitator: Ask the learners to write subtraction facts for different motivate numbers

Chapter 2.indd 38 14 Dec 2020 10:42:44 AM

मिलकर पढ़िए

यह 'अंधेर नगरी' नाटक का एक अंश है। यह नाटक भारतेंदु हरिश्चंद्र ने बहुत समय पहले लिखा था। उस समय चीज़ों का वज़न किलोग्राम या ग्राम में तोलने की बजाये सेर, पाव और छटाँक में तोला जाता था। उसी तरह खरीदने-बेचने के लिए भी पैसे की जगह टके का इस्तेमाल होता था।

अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा

दुकानदार आटा, दाल, लकड़ी, नमक, घी, चीनी, मसाला और चावल, ले टके सेर। (गोबर्धनदास बाज़ार में है। परचून की दुकान पर जाकर चीज़ों के दाम पूछता है।)

गोबर्धनदास क्यों भाई, आटा कितने सेर?

दुकानदार टके सेर।

गोबर्धनदास और चावल?

दुकानदार टके सेर।

गोबर्धनदास और चीनी?

दुकानदार टके सेर।

गोबर्धनदास और घी?

Chapter 2.indd 39 14 Dec 2020 10:42:45 AM

दुकानदार टके सेर।

गोबर्धनदास सब टके सेर। सचमुच।

दुकानदार हाँ महाराज, क्या झूठ बोलूँगा।
(सब्ज़ी वाली के पास जाकर)

गोबर्धनदास क्यों भई, भाजी क्या भाव?

सब्ज़ी वाली बाबा जी, टके सेर। निबुआ, मुरई, धनिया, मिरचा और साग सब टके सेर।

गोबर्धनदास सब भाजी टके से। वाह! वाह! बड़ा आनंद है। यहाँ सभी चीज़ टके सेर। (हलवाई के पास जाकर) क्यों भाई हलवाई? मिठाई कितने सेर?

हलवाई बाबा जी! लड्डुआ, हलुआ, जलेबी, गुलाबजामुन, खाजा सब टके सेर।

गोबर्धनदास वाह! वाह! बड़ा आनंद है? क्यों बच्चा, मुझसे मसखरी तो नहीं करता? सचमुच सब टके सेर?

Chapter 2.indd 40 14 Dec 2020 10:42:46 AM

हलवाई हाँ बाबा जी, सचमुच सब टके सेर। इस नगरी की चाल ही यही है। यहाँ सब चीज़ टके सेर बिकती है।

गोबर्धनदास क्यों बच्चा! इस नगरी का नाम क्या है?

हलवाई अंधेर नगरी।

गोबर्धनदास और राजा का क्या नाम है?

हलवाई चौपट राजा।

गोबर्धनदास वाह! वाह! अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा।

— भारतेंदु हरिशचंद्र

Chapter 2.indd 41 14 Dec 2020 10:42:46 AM

बातचीत के लिए

1. यह कहाँ का चित्र है? 2. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है? 3. चित्र में कौन क्या-क्या कर रहा है? 4. चित्र में हमारे आस-पास तसवीर से मिलता-जुलता क्या-क्या है? 5. चित्र में '15' कहाँ लिखा हुआ है? 6. नाव वाले झूले में कितने लोग हैं? 7. कितने बच्चे ननकू के झूले में झूल रहे हैं?

For Conversation

1. What is the place shown in the picture? 2. How can you tell? 3. What are the different activities taking place in the picture? 4. Are there any things in the picture which you also see in your surroundings? What are they? 5. Where is '15' written in the picture. 6. How many people are sitting in the boat shaped swing? 7. How many children are sitting in Nanku's swing?

3 स्थानीय संस्कृति

आप सीखेंगे

ओ	औ	झ	द	ल	ग	क	य

- 11 से 50 तक की संख्या पढ़ना और लिखना
- इकाई और दहाई समूहों में गिनना
- 1 से 50 तक जोड़ व घटा करना

देखिए, पढ़िए और बातचीत कीजिए

मेला

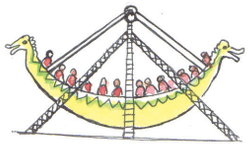

झूला

दुकान

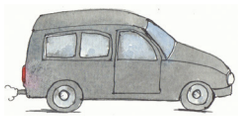

कार

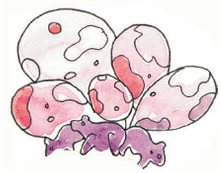

गुब्बारे

खिलौने

ऊँटगाड़ी

औरतें

केला

दूध

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से बारी-बारी से सभी चित्रों की पहचान करवाएँ। चित्रों के नीचे उससे संबंधित शब्द दिए गए है। चित्र के आधार पर शब्दों को अनुमान लगाकर पढ़वाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें। शिक्षार्थी से चित्र के नीचे दिए गए शब्द पढ़ने के लिए कहें।

For the Facilitator: Ask the learners to identify the pictures given above. The word related to the picture is given below it. Ask the learners to guess the word based on the given picture. Read the words given under each picture by placing finger under them. Ask the learners to read the words given under each picture.

बताइए और निशान लगाइए

आप कभी मेले में गए होंगे। मेले में आपने क्या-क्या देखा? सही का निशान (✓) लगाइए।

चाट की दुकान

बाइस्कोप

चूड़ियाँ

जलेबी

जादूगर का खेल

निशानेबाज़ी

गुब्बारे वाला

खिलौना रेलगाड़ी

Chapter 3.indd 45 14 Dec 2020 10:45:23 AM

पढ़िए और लिखिए

ओ

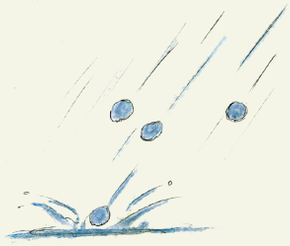

ओखली ओस ओले

ओ ओ

औ

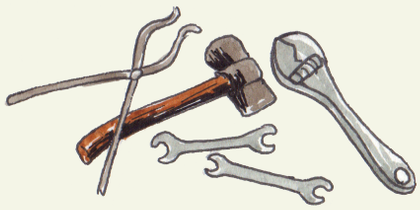

औरत और औज़ार

औ औ

शिक्षक-निर्देश — शिक्षार्थियों से बारी-बारी से चित्र की पहचान करवाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें। शिक्षार्थियों से अक्षर भी लिखवाएँ।

For the Facilitator: Ask the learners to identify the pictures. Put your finger under each word and bring their attention to them. Ask the learners to write the letter in the space given.

Chapter 3.indd 46 14 Dec 2020 10:45:24 AM

देखिए, पढ़िए और नाम लिखिए

झ

झगड़ा

झरोखा

झाड़ू

झाड़ी

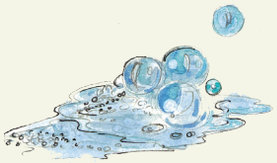

झिलमिल

झिड़की

झिल्ली

झोली

झील

झ झ

शिक्षक-निर्देश— चित्र देखकर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उनसे अक्षर लिखवाएँ। दी गई जगह पर चित्र का नाम लिखवाएँ।

For the Facilitator: Support the learners in reading the words with the help of pictures. Ask the learners to write the letters. Also, encourage them to label the pictures and write words in the given space.

Chapter 3.indd 47 14 Dec 2020 10:45:25 AM

द

दरवाज़ा

दर्ज़ी

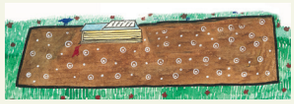

दाढ़ी

दातुन

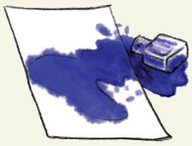

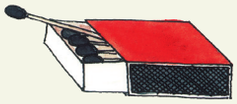

दियासलाई

दिल्ली

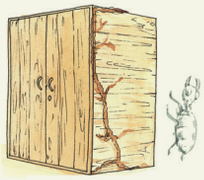

दीमक

दोना

2

दौड़ना

दौरा

दौलत

Chapter 3.indd 48 14 Dec 2020 10:45:27 AM

ल

लट्टू

लहसुन

लहँगा

लालटेन

लाठी

लिफ़ाफ़ा

लिहाफ़

लीपना

लीला

लोमड़ी

लोरी

लौटता

लौ

ल ल

Chapter 3.indd 49 14 Dec 2020 10:45:28 AM

ग

गधा

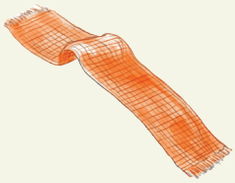

गमछा

गागर

गाजर

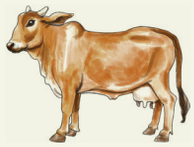

गिलहरी

गिद्ध

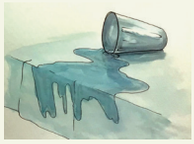

गीला

गीदड़

गोभी

गोदना

गौरेया

गौर

Chapter 3.indd 50 14 Dec 2020 10:45:31 AM

क

करेला

कठफोड़वा

कारखाना

कार

किला

किसान

य

युवक

वायुयान

घीया

दीया

क क

य य

Chapter 3.indd 51 14 Dec 2020 10:45:32 AM

मिलकर पढ़िए

दीवाली के दीये

दीवाली की रात आती। लोग एक-दूसरे के घर छोटे दीये लेकर जाते। दीये रखकर बोलते — "मिजबान आए हैं, ध्यान रखिओ, उन्हें ठंड न लग जाए।"

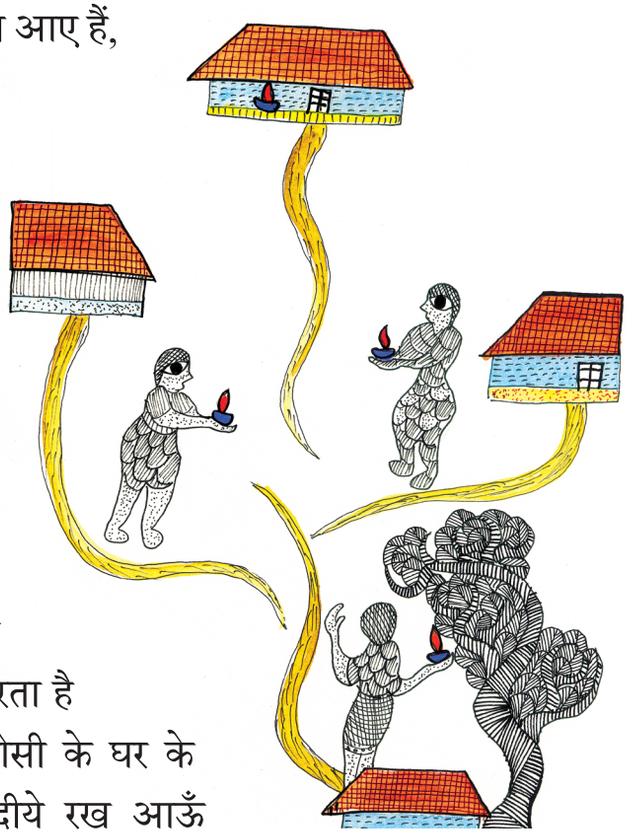

मैंने दुनिया का इससे मीठा वाक्य नहीं सुना। अपने घर से दीपक ले जाकर अपने पड़ोसी के घर रख आना। आज इस वाक्य की मिठास इसका अर्थ जानकर और बढ़ जाती है कि हमारे रिश्तों में उजाला बना रहे और उसकी ऊष्मा ठंडी या मद्धिम न पड़े।

इस बड़े शहर में तो मन तो बहुत करता है कि पड़ोसी के घर के बाहर दीये रख आऊँ और वही कहूँ जो मैंने बचपन में अपने पड़ोसी से सुना था —

"मिजबान आए हैं, ध्यान रखिओ, उन्हें ठंड न लग जाए...।"

— सुशील शुक्ल

शिक्षक-निर्देश — 'दीवाली के दीये' अंश को पढ़कर सुनाएँ।
For the Facilitator: Read aloud the text to the learners.

Chapter 3.indd 52 14 Dec 2020 10:45:34 AM

पढ़िए और बताइए

1. यह अंश किस बारे में है?
2. दुनिया का सबसे मीठा वाक्य किसे कहा गया है और क्यों?
3. आपके लिए दुनिया का सबसे मीठा वाक्य कौन-सा है और क्यों?
4. क्या आपके यहाँ दीवाली से जुड़ी कोई खास परंपरा, रीति-रिवाज़ हैं? उसके बारे में बताइए।

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश— 'स्थानीय संस्कृति' विषय को समेटते हुए बातचीत कीजिए। शिक्षार्थी से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे— 'गुब्बारा' के लिए 'फुग्गा' आदि

For the Facilitator: Conclude the theme *Local Tradition* through discussion. Write 3–4 words related to this theme by asking the learners. These words can be from their own language also. For example— *Fugga* for *Gubbare* etc.

Chapter 3.indd 53 14 Dec 2020 10:45:34 AM

शब्द ढूँढ़िए और लिखिए

दौ	ल	त	ना
रा	ति	त	ली
सी	ल	प	का
मा	लि	न	टा

शब्द लिखिए

शिक्षक-निर्देश— खाँचे के खानों में शब्द छिपे हैं। शब्द खोजने में शिक्षार्थियों की मदद कीजिए और उन्हें लिखने के लिए कहिए।

For the Facilitator: There are words hidden in the grid given above. Help the learners to find the words and write them in the given space.

Chapter 3.indd 54 14 Dec 2020 10:45:34 AM

शब्दों को ध्यान से देखिए, पढ़िए और लिखिए

जिसमें **ओ** की आवाज़ है

कोना ओस सोना मीत

जिसमें **औ** की आवाज़ है

औरत कौन मोर दराज़

जिसमें **दो** की आवाज़ है

दीवार दोना दादी कायदा

जिसमें **दौ** की आवाज़ है

दीमक दलिया दौलत चौका

जिसमें **लौ** की आवाज़ है

लौटना लोग झील लोटा

जिसमें **ली** की आवाज़ है

मोल सिलाई चीनी कालीन

जिसमें **कौ** की आवाज़ है

झरोखा कौन मोबाइल रात

जिसमें **की** की आवाज़ है

लकीर टिकट टिकटिक दाल

जिसमें **झो** की आवाज़ है

झील झोला गया मगर

जिसमें **यो** की आवाज़ है

बताना मलाई योग रपट

शिक्षक-निर्देश— शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। अलग-अलग आवाज़ों वाले शब्द लिखने के लिए कहें। ये आवाज़ें शब्द के शुरू में, बीच में या अंत में हो सकती हैं।

For the Facilitator: Help the learners read the word ask them to write the words with different sounds. These sounds can occur in the beginning, middle or at the end of the word.

Chapter 3.indd 55 14 Dec 2020 10:45:34 AM

गुब्बारे बेचते हुए रमेश के पास 1 रुपए के बहुत सारे सिक्के इक्कठे हो गए। उसने सिक्कों को रुपए में बदलने के लिए दुकानदार को 1 रुपए के 10 सिक्के दिए और बदले में दुकानदार ने उसे दस रुपए का एक नोट दिया।

अगर रमेश दुकानदार को 1 रुपए के 20 सिक्के देगा तो उसके बदले में उसे 10 रुपए के कितने नोट मिलेंगे?

चित्र बनाओ

नीचे दिए गए 10 रुपए के नोटों और 1 रुपए के सिक्कों से कुल कितने रुपए बनते हैं

	10 रुपए के नोट		1 रुपए के सिक्के		कुल रूपये
(क)		+		=	34
(ख)		+		=	

Chapter 3.indd 56 14 Dec 2020 10:45:35 AM

	10 रुपए के नोट		1 रुपए के सिक्के		कुल रूपये
(ग)		+		=	
(घ)		+		=	26
(ङ)				=	40

2. मनु को 24 फूल खरीदने हैं। फूल की एक माला में 10 फूल हैं। मनु को कितनी फूलों की माला एवं खुले फूल खरीदने होंगे?

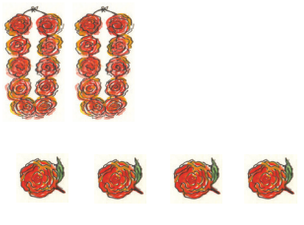

	दहाई	इकाई
=		

3. रहीम के पास 50 रुपए हैं जिसमें चार 10 रुपए के नोट हैं और 1 रुपए के 10 सिक्के हैं।

शिक्षक-निर्देश — शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करें कि दस-दस के समूह में गिनने से बड़ी-बड़ी संख्याओं को गिनना आसान हो जाता है। यह समझ भी विकसित करनी है कि दस इकाइयों से मिलकर दहाई बनती है।

For the Facilitator: Provide opportunities to learners where they could understand that counting in groups of tens makes counting of large numbers easier. Provide such examples where the learners will be able to understand that 10 one's is equal to 1 tens.

Chapter 3.indd 57 14 Dec 2020 10:45:36 AM

(क) रहीम ने अपनी बहन के लिए 15 रुपए की चूड़ियाँ लीं। उसने दुकानदार को कितने नोट और कितने सिक्के दिए?

10 रुपए का नोट

1 रुपए के सिक्के

	दहाई	इकाई
=		

(ख) रहीम ने 22 रुपए की चाट भी खाई। दुकानदार को रहीम ने कितने नोट और कितने सिक्के दिए होंगे?

10 रुपए का नोट

1 रुपए के सिक्के

	दहाई	इकाई
=		

(ग) रहीम के पास अब कितने दस रुपए के नोट और 1 रूपए के सिक्के बचे हैं?

10 रुपए का नोट

1 रुपए के सिक्के

	दहाई	इकाई
=		

शिक्षक-निर्देश — रूपये एवं फूल की माला द्वारा शिक्षार्थी में इकाई तथा दहाई की समझ विकसित करने की एक शुरूआत की गई है। शिक्षार्थी को स्वयं अपने अनुभवों से ऐसा करने दें। ऐसी अन्य संख्याओं को लेकर शिक्षार्थी को प्रोत्साहित करें कि वह उनमें कितने दस (दहाई) और कितने एक (इकाई) होंगे पता लगाएँ।

For the Facilitator: Encourage them to till the number of tens and ones in other similar numbers given to them.
To develop the understanding of tens and ones currency notes and garland of 10 flowers have been used. Provide opportunities to learners to develop their understanding on this using their own experiences.

Chapter 3.indd 58 14 Dec 2020 10:45:36 AM

- **आपके पास 10 के नोट/सिक्के तथा 1 के नोट/सिक्के हैं। आपने बाज़ार से कुछ सामान खरीदना है। बताइए आप दुकानदार को वस्तु का मूल्य कैसे चुकाएँगे?(ध्यान रहे कि 1 के नोट/सिक्के एक बार में 10 से कम ही उपयोग कर सकते हैं।)**

मूल्य	वस्तु	दस के नोट/सिक्के	1 के नोट/सिक्के
₹54	चावल		
₹73	जग		
₹29	मग		
₹30	कॉपी		
₹64	टूथपेस्ट		
₹15	भिंडी		
₹86	थैला		
₹48	सेब		

Chapter 3.indd 59 14 Dec 2020 10:45:36 AM

मिलकर पढ़िए

यह 'ईदगाह' कहानी का अंश है। 'ईदगाह' कहानी मुंशी प्रेमचंद ने लिखी है।

ईदगाह

गाँव से मेला चला। और बच्चों के साथ हामिद भी जा रहा था। कभी सब-के-सब दौड़कर आगे निकल जाते। फिर किसी पेड़ के नीचे खड़े होकर साथ वालों का इंतज़ार करते। ये लोग क्यों इतना धीरे-धीरे चल रहे हैं! हामिद के पैरों में तो जैसे पर लग गए हैं।

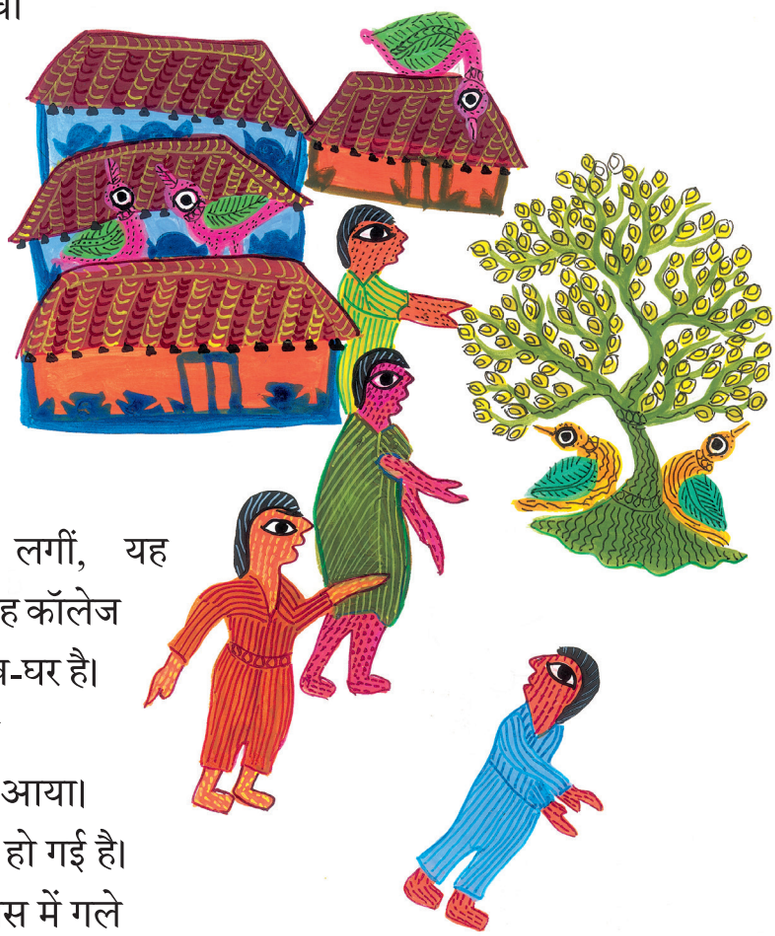

शहर आ गया। बड़ी-बड़ी इमारतें आने लगीं, यह अदालत है, यह कॉलेज है, यह क्लब-घर है।

सहसा ईदगाह नज़र आया। नमाज़ खत्म हो गई है। लोग आपस में गले मिल रहे हैं। तब मिठाई और खिलौने की दुकान पर धावा होता है। यह देखो, हिंडोला है। एक पैसा देकर चढ़ जाओ। कभी आसमान पर जाते हुए मालूम होंगे, कभी ज़मीन पर गिरते हुए। यह चर्खी है, लकड़ी के हाथी, घोड़े, ऊँट छड़ों से लटके हुए हैं। एक पैसा देकर बैठ जाओ और पच्चीस चक्करों का मज़ा लो।

Chapter 3.indd 60 14 Dec 2020 10:45:38 AM

हामिद दूर खड़ा है। तीन ही पैसे तो उसके पास हैं। अपने कोष का एक तिहाई ज़रा-सा चक्कर खाने के लिए नहीं दे सकता।

सब चर्खियों से उतरते हैं। अब खिलौने लेंगे। महमूद सिपाही लेता है, खाकी वर्दी और लाल पगड़ीवाला, कंधे पर बंदूक रखे हुए। मालूम होता है, अभी कवायद किए चला आ रहा है। मोहसिन को भिश्ती पसंद आया। कमर झुकी है, ऊपर मशक रखे हुए है।

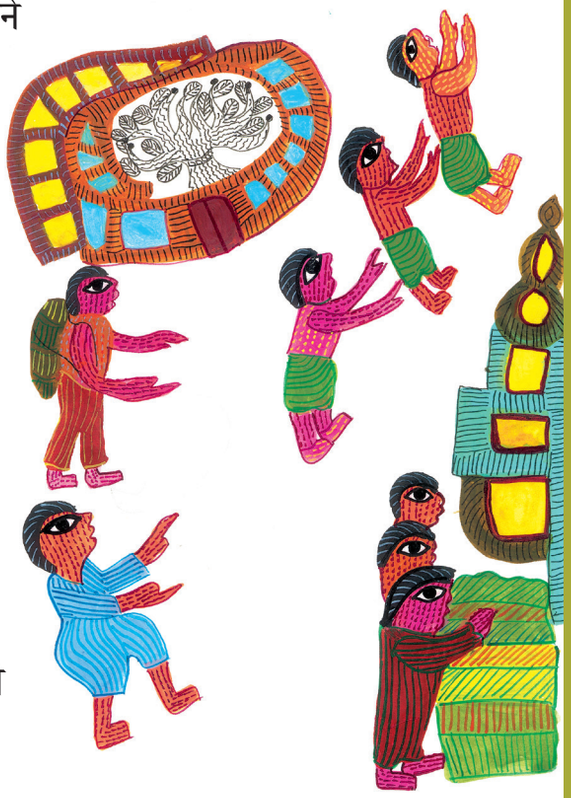

यह सब दो-दो पैसे के खिलौने हैं। हामिद के पास कुल तीन पैसे हैं, इतने महँगे खिलौने वह कैसे ले?

खिलौने के बाद मिठाइयाँ आती हैं। किसी ने रेवड़ियाँ ली हैं, किसी ने गुलाब-जामुन, किसी ने सोहन हलवा, सभी मज़े से खा रहे हैं।

मिठाइयों के बाद कुछ दुकानें लोहे की चीज़ों की हैं।

हामिद लोहे की दुकान पर रुक जाता है। कई चिमटे रखे हुए थे। उसे ख्याल आया, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती हैं, तो हाथ जल जाता है। अगर वह चिमटा ले जाकर दादी को दे दे, तो वह कितनी प्रसन्न होंगी। फिर उनकी उँगलियाँ कभी न जलेगी। घर में एक काम की चीज़ हो जाएगी। खिलौने से क्या फायदा?

उसने दुकानदार से पूछा यह चिमटा कितने का है?

दुकानदार ने उसकी ओर देखा और कोई आदमी साथ न देखकर कहा यह तुम्हारे काम का नहीं है जी!

Chapter 3.indd 61 14 Dec 2020 10:45:39 AM

''बिकाऊ है कि नहीं?''

''बिकाऊ क्यों नहीं है? और यहाँ क्यों लाद लाए हैं?''

''तो बताते क्यों नहीं, कै पैसे का है?''

''छह पैसे लगेंगे।''

हामिद का दिल बैठ गया।

''ठीक-ठीक बताओ।''

''ठीक-ठीक पाँच पैसे लगेंगे, लेना हो लो, नहीं चलते बनो।''

हामिद ने कलेजा मज़बूत करके कहा "तीन पैसे लोगे?"

यह कहता हुआ वह आगे बढ़ गया कि दुकानदार की घुड़कियाँ न सुने। लेकिन दुकानदार ने घुड़कियाँ नहीं दी। बुलाकर चिमटा दे दिया।

— प्रेमचंद,
स्रोत — रिमझिम 5, एन.सी.ई.आर.टी.

Chapter 3.indd 62 14 Dec 2020 10:45:40 AM

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Cover 1 and 4.indd 1 08 Dec 2020 12:23:55 PM